

鸟谱

余省
张为邦绘

浙江人民美术出

鸟
谱

图书在版编目(CIP)数据

鸟谱 / 余省, 张为邦绘. -- 杭州 : 浙江人民美术出版社, 2015.11

ISBN 978-7-5340-4450-2

I. ①鸟… II. ①余… ②张… III. ①鸟类—图谱
IV. ①Q959.7-64

中国版本图书馆CIP资料核字(2015)第174626号

鸟 谱

余 省 张为邦 绘

责任编辑 屈笃仕

文字编辑 罗仕通

封面设计 傅笛扬

责任印制 陈柏荣

出版发行 浙江人民美术出版社

(杭州市体育场路347号)

网 址 <http://mss.zjcb.com>

经 销 全国各地新华书店

制 版 浙江新华图文制作有限公司

印 刷 浙江海虹彩色印务有限公司

版 次 2015年11月第1版 · 第1次印刷

开 本 889mm × 1194mm 1/32

印 张 7.75

书 号 ISBN 978-7-5340-4450-2

定 价 120.00元

如发现印刷装订品质问题，影响阅读，
请与出版社发行部联系调换。

出版说明

鸟类很早便进入中国人的观察视野。在《诗经》《尔雅》《禽经》《本草纲目》及各类地方志等古籍文献中，多有相关的鸟类名称、产地、外形、习性方面的记载。除了装饰天空和大地，它们也颇能给人类以启示。

文字之外，古人也喜用更具直观效果的图画来描述鸟类。从原始陶器到青铜器，再到漆器、瓦当、画像砖、肖形印等日常器具，其中多有以鸟类形象作为装饰者。从唐代开始，花鸟作为独立的画科出现。五代是中国花鸟画史上的重要时期，以徐熙、黄筌为代表的两大流派确立了花鸟画发展史上的两种不同风格类型。北宋末年，宋徽宗下令编纂《宣和画谱》，其中记载的花鸟画家光北宋的就有三十位。到了清朝，花鸟画作品中值得一提的有宫廷画家余省和张为邦两人应乾隆皇帝之命摹绘的《鸟谱》十二册（图共三百六十幅）。

该图册以画家蒋廷锡所绘设色鸟谱十二册为基础，另经考察整理，并由当时几位大臣于图旁加注文字说明，以供御览。这些画幅以写实手法创作，图中鸟类生动逼真，轻灵可爱；其所配文字则描述精详，于历代典籍多有搜集，无异于锦上添花。因而在艺术欣赏之余，实又兼生态史料之价值。

本次出版的《鸟谱》画册即从上述作品中编选而成。希望能为喜欢鸟类的读者提供一种兼具艺术审美与资料查询之双重功能的书籍。

艺文类聚金石书画馆

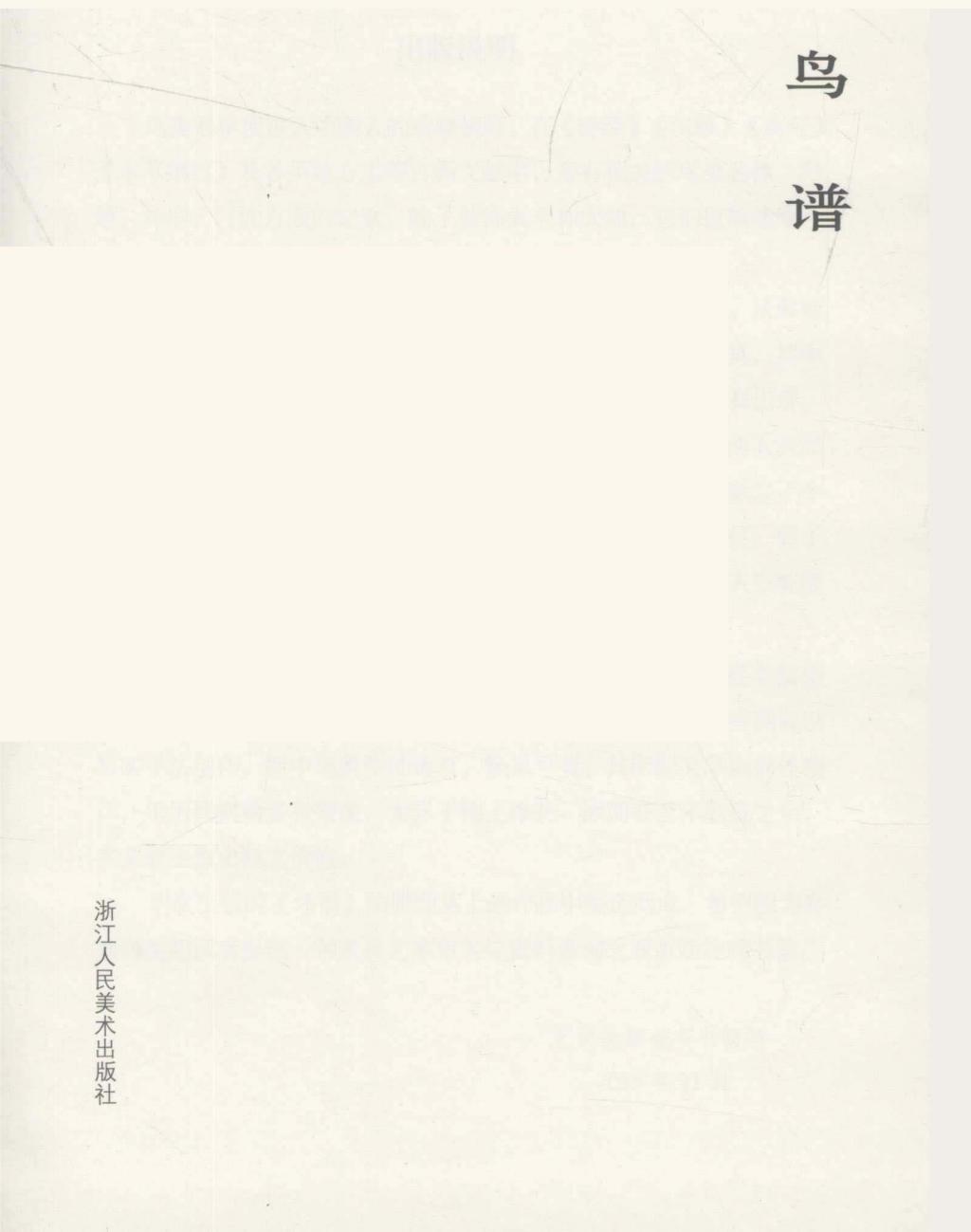
2015年11月

目 录

| | | | |
|-------|-----|----------|-----|
| 凤 | 008 | 花八哥 | 048 |
| 鹀 | 010 | 燕八哥 | 050 |
| 孔雀 | 012 | 山八哥 | 052 |
| 开屏孔雀 | 014 | 海八哥 | 054 |
| 鹤 | 016 | 番八哥 | 056 |
| 灰鹤 | 018 | 白哥 | 058 |
| 小灰鹤 | 020 | 瑞红鸟 | 060 |
| 蓝 | 022 | 灰色洋鸽 | 062 |
| 北喜鹊 | 024 | 鵲鸽 | 064 |
| 喜鹊 | 026 | 毛脚鸽 | 066 |
| 山喜鹊 | 028 | 西绿鹦哥 | 068 |
| 白喜鹊 | 030 | 南绿鹦哥 | 070 |
| 山鶲 | 032 | 黑嘴绿鹦哥 | 072 |
| 黑山鶲 | 034 | 洋绿鹦鹉 | 074 |
| 靛花 | 036 | 洋绿鹦哥 | 076 |
| 石青 | 038 | 红颊绿鹦哥 | 078 |
| 鸚鸽 | 040 | 柳绿鹦哥 | 080 |
| 沉香色八哥 | 042 | 牙色里毛大白鸚鹉 | 082 |
| 秋香色八哥 | 044 | 葵黄里毛大白鸚鹉 | 084 |
| 白八哥 | 046 | 葵黄顶花小白鸚鹉 | 086 |

| | | | |
|----------|-----|------|-----|
| 牙色顶花小白鹦鹉 | 088 | 金翅 | 128 |
| 凤凰鹦鹉 | 090 | 柿黄 | 130 |
| 金头鹦鹉 | 092 | 黄道眉 | 132 |
| 青头红鹦哥 | 094 | 淡黄道眉 | 134 |
| 绿翅红鹦哥 | 096 | 五道眉 | 136 |
| 翠尾红鹦哥 | 098 | 白道眉 | 138 |
| 莲青鹦鹉 | 100 | 画眉 | 140 |
| 黄鹦哥 | 102 | 石画眉 | 142 |
| 灰色洋鹦哥 | 104 | 山画眉 | 144 |
| 黄丁香鸟 | 106 | 燕雀 | 146 |
| 绿丁香鸟 | 108 | 白花雀 | 148 |
| 了哥 | 110 | 山花雀 | 150 |
| 山鹦哥 | 112 | 金雀 | 152 |
| 倒挂鸟 | 114 | 侣凤逑 | 154 |
| 黑嘴倒挂 | 116 | 南相思鸟 | 156 |
| 珊瑚鸟 | 118 | 粉眼 | 158 |
| 黄山鸟 | 120 | 金眼 | 160 |
| 绿山鸟 | 122 | 噶叭嘴 | 162 |
| 松鸦 | 124 | 槐串 | 164 |
| 白松鸦 | 126 | 金铃 | 166 |

| | | | |
|------|-----|-------|-----|
| 白头金铃 | 168 | 白头郎 | 208 |
| 太平雀 | 170 | 双喜 | 210 |
| 太平雀 | 172 | 吉祥鸟 | 212 |
| 珠顶红 | 174 | 五更鸣 | 214 |
| 花红燕 | 176 | 西宁白 | 216 |
| 花黄燕 | 178 | 偷仓 | 218 |
| 山火燕 | 180 | 长春花鸟 | 220 |
| 南百舌 | 182 | 嘉雀 | 222 |
| 北百舌 | 184 | 白嘉雀 | 224 |
| 雌北百舌 | 186 | 花嘉雀 | 226 |
| 蓝靛颏 | 188 | 黄雀 | 228 |
| 黑靛颏 | 190 | 山雀 | 230 |
| 红靛颏 | 192 | 鹩哥 | 232 |
| 白靛颏 | 194 | 北牛鶴 | 234 |
| 靠山红 | 196 | 南牛鶴 | 236 |
| 金丝麻鹩 | 198 | 白翎 | 238 |
| 黄鹂 | 200 | 阿兰 | 240 |
| 莺雏 | 202 | 米色阿兰 | 242 |
| 蛇头鸟 | 204 | 凤头阿兰 | 244 |
| 白头翁 | 206 | 凤头花阿兰 | 246 |



鸟 谱

浙江人民美术出版社

出版说明

鸟类很早便进入中国人的观察视野。在《诗经》《尔雅》《禽经》《本草纲目》及各类地方志等古籍文献中，多有相关的鸟类名称、产地、外形、习性方面的记载。除了装饰天空和大地，它们也颇能给人类以启示。

文字之外，古人也喜用更具直观效果的图画来描述鸟类。从原始陶器到青铜器，再到漆器、瓦当、画像砖、肖形印等日常器具，其中多有以鸟类形象作为装饰者。从唐代开始，花鸟作为独立的画科出现。五代是中国花鸟画史上的重要时期，以徐熙、黄筌为代表的两大流派确立了花鸟画发展史上的两种不同风格类型。北宋末年，宋徽宗下令编纂《宣和画谱》，其中记载的花鸟画家光北宋的就有三十位。到了清朝，花鸟画作品中值得一提的有宫廷画家余省和张为邦两人应乾隆皇帝之命摹绘的《鸟谱》十二册（图共三百六十幅）。

该图册以画家蒋廷锡所绘设色鸟谱十二册为基础，另经考察整理，并由当时几位大臣于图旁加注文字说明，以供御览。这些画幅以写实手法创作，图中鸟类生动逼真，轻灵可爱；其所配文字则描述精详，于历代典籍多有搜集，无异于锦上添花。因而在艺术欣赏之余，实又兼生态史料之价值。

本次出版的《鸟谱》画册即从上述作品中编选而成。希望能为喜欢鸟类的读者提供一种兼具艺术审美与资料查询之双重功能的书籍。

艺文类聚金石书画馆

2015年11月

目 录

| | | | |
|-------|-----|----------|-----|
| 凤 | 008 | 花八哥 | 048 |
| 鹀 | 010 | 燕八哥 | 050 |
| 孔雀 | 012 | 山八哥 | 052 |
| 开屏孔雀 | 014 | 海八哥 | 054 |
| 鹤 | 016 | 番八哥 | 056 |
| 灰鹤 | 018 | 白哥 | 058 |
| 小灰鹤 | 020 | 瑞红鸟 | 060 |
| 蓝 | 022 | 灰色洋鸽 | 062 |
| 北喜鹊 | 024 | 鵲鸽 | 064 |
| 喜鹊 | 026 | 毛脚鸽 | 066 |
| 山喜鹊 | 028 | 西绿鹦哥 | 068 |
| 白喜鹊 | 030 | 南绿鹦哥 | 070 |
| 山鶲 | 032 | 黑嘴绿鹦哥 | 072 |
| 黑山鶲 | 034 | 洋绿鹦鹉 | 074 |
| 靛花 | 036 | 洋绿鹦哥 | 076 |
| 石青 | 038 | 红颊绿鹦哥 | 078 |
| 鸚鸽 | 040 | 柳绿鹦哥 | 080 |
| 沉香色八哥 | 042 | 牙色里毛大白鸚鹉 | 082 |
| 秋香色八哥 | 044 | 葵黄里毛大白鸚鹉 | 084 |
| 白八哥 | 046 | 葵黄顶花小白鸚鹉 | 086 |

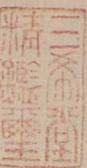
| | | | |
|----------|-----|------|-----|
| 牙色顶花小白鹦鹉 | 088 | 金翅 | 128 |
| 凤凰鹦鹉 | 090 | 柿黄 | 130 |
| 金头鹦鹉 | 092 | 黄道眉 | 132 |
| 青头红鹦哥 | 094 | 淡黄道眉 | 134 |
| 绿翅红鹦哥 | 096 | 五道眉 | 136 |
| 翠尾红鹦哥 | 098 | 白道眉 | 138 |
| 莲青鹦鹉 | 100 | 画眉 | 140 |
| 黄鹦哥 | 102 | 石画眉 | 142 |
| 灰色洋鹦哥 | 104 | 山画眉 | 144 |
| 黄丁香鸟 | 106 | 燕雀 | 146 |
| 绿丁香鸟 | 108 | 白花雀 | 148 |
| 了哥 | 110 | 山花雀 | 150 |
| 山鹦哥 | 112 | 金雀 | 152 |
| 倒挂鸟 | 114 | 侣凤逑 | 154 |
| 黑嘴倒挂 | 116 | 南相思鸟 | 156 |
| 珊瑚鸟 | 118 | 粉眼 | 158 |
| 黄山鸟 | 120 | 金眼 | 160 |
| 绿山鸟 | 122 | 噶叭嘴 | 162 |
| 松鸦 | 124 | 槐串 | 164 |
| 白松鸦 | 126 | 金铃 | 166 |

| | | | |
|------|-----|-------|-----|
| 白头金铃 | 168 | 白头郎 | 208 |
| 太平雀 | 170 | 双喜 | 210 |
| 太平雀 | 172 | 吉祥鸟 | 212 |
| 珠顶红 | 174 | 五更鸣 | 214 |
| 花红燕 | 176 | 西宁白 | 216 |
| 花黄燕 | 178 | 偷仓 | 218 |
| 山火燕 | 180 | 长春花鸟 | 220 |
| 南百舌 | 182 | 嘉雀 | 222 |
| 北百舌 | 184 | 白嘉雀 | 224 |
| 雌北百舌 | 186 | 花嘉雀 | 226 |
| 蓝靛颏 | 188 | 黄雀 | 228 |
| 黑靛颏 | 190 | 山雀 | 230 |
| 红靛颏 | 192 | 鹩哥 | 232 |
| 白靛颏 | 194 | 北牛鶴 | 234 |
| 靠山红 | 196 | 南牛鶴 | 236 |
| 金丝麻鹀 | 198 | 白翎 | 238 |
| 黄鹀 | 200 | 阿兰 | 240 |
| 莺雏 | 202 | 米色阿兰 | 242 |
| 蛇头鸟 | 204 | 凤头阿兰 | 244 |
| 白头翁 | 206 | 凤头花阿兰 | 246 |

凤

一名瑞鷗，一名鵠鸡，一名长离，亦作长丽。

《尔雅》云：鵠，凤。其雌皇。注云：瑞应鸟，五彩色，高六尺许。《韩诗外传》云：凤象，鸿前麟后，蛇颈鱼尾，龙文龟背，燕颌鸡喙；小音金，大音鼓；延颈奋翼，五色备举。《山海经》云：丹穴之山，有鸟焉，五采而文，名曰凤皇。饮食自然，自歌自舞，见则天下安宁。《禽经》云：五凤，赤曰丹穴，青曰羽翔，白曰化翼，黑曰阴翥，黄曰土符。《人镜经》：五凤以方分，东方发明，西方鹔鹴，南方焦明，北方幽昌，中央玉雀。《物类志》：凤，一名瑞鷗，别名鵠鸡，其老者为长离。《大戴礼》云：羽虫三百六十，而凤皇为之长。





鶠

一名鸡趣，一名青凤。

《山海经》云：女床之山，有鸟焉，其状如翟而五采，名曰鶠鸟，见则天下安宁。《禽经》云：鶠，瑞鸟，一名鸡趣，始生类凤，久则五彩变易，故字从变省。《抱朴子》云：鶠鸟似凤而白缨，闻乐则蹈节而舞。《说文》云：青凤为鶠。

